RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 256, बुधवार, 23 अक्टुबर, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी, प्रधानमंत्री ने ट्वीट कही बात

नई दिल्ली(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मंगलवार को नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मुलाकात की। इस मुलाकात पर पीएम मोदी ने ट्वीट किया और फोटो भी शेयर की। पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि अभिजीत बनर्जी के साथ विस्तार से कई विषयों पर बात हुई। ट्विटर पर पीएम मोदी ने लिखा कि नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी के साथ शानदार बैठक। मानव सशक्तीकरण के प्रति उनका जुनून साफ दिखाई देता है, हमने विभिन्न विषयों पर एक स्वस्थ और व्यापक बातचीत की। भारत को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है, उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं। बता दें कि हाल ही में अभिजीत बनर्जी के साथ उनकी पत्नी एस्टर डफ्लो को भी अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला है। बता दें कि हाल ही में अभिजीत बनर्जी के साथ उनकी पत्नी एस्टर डफ्लो को भी अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला है।

अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने पर पीएम मोदी ने अभिजीत ट्वीट कर बधाई दी थी। अमरिकी नागरिक 58 वर्षीय अभिजीत बनर्जी ने साल 1981 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंसी कॉलेज से विज्ञान में स्नातक किया था।

लद्दाख को केंद्र सरकार का बड़ा तोहफा, 7वें वेतन आयोग का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। नए केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सरकारी कर्मचारियों को 31 अक्टूबर से 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार वेतन और अन्य लाभ मिलेंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में जरुरी आदेश जारी किए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन और भत्ते देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। दोनों केन्द्र शासित प्रदेश 31 अक्टूबर से अस्तित्व में आएंगे। इससे फिलहाल जम्मू-कश्मीर सरकार के साढ़े चार लाख कर्मचारियों को लाभ होगा। सभी 31 अक्टूबर से केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सरकारी कर्मचारी बन जाएंगे। केन्द्र सरकार ने पांच अगस्त को संविधान के अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और राज्य को दो केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था।

कश्मीर के स्कूलों में बढ़ने लगी विद्यार्थियों की संख्या, जम्मू में हाजिरी शत-प्रतिशत

श्रीनगर। कश्मीर के स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने लगी है। अब स्कूलों में 20 फीसदी बच्चे पढ़ाई के लिए आ रहे हैं। वहीं जम्मू संभाग के स्कूलों में बच्चों की संख्या शत-प्रतिशत है। जम्मू-कश्मीर के किसी भी भाग में लोगों के आने-जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। कश्मीर में सभी 1,02,069 लैंडलाइन फोन बहाल कर दिए गए हैं। लगभग 84 फीसदी मोबाइल फोन भी चल रहे हैं। कश्मीर में लैंडलाइन फोन को 2 महीने पहले ही बहाल करना शुरू कर दिया गया था, जबकि पोस्टपेड मोबाइल फोन 14 अक्तूबर को ही बहाल किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार कश्मीर में हालातो में तेजी से सुधार हो रहा है। इसके बाद ही 20 फीसद से अधिक बच्चे स्कूलों में आना शुरु हुए हैं। इनकी संख्या बढ़ रही है। कश्मीर के स्कूलों में शिक्षकों की हाजिरी 86.3फीसदी है। जम्मू संभाग में हाजिरी शत-प्रतिशत है। स्कूलों में पढ़ाई हो रही है, जो कुल स्कूलों का 98 फीसदी है। स्टेट बोर्ड स्कूलों में परीक्षा की तिथि पहले ही घोषित हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार 202 थानों के अंतर्गत क्षेत्रों में कोई पांबदी नहीं है। जम्मू-कश्मीर के सभी 130 प्रमुख अस्पतालों और 4359 अन्य स्वास्थ्य् संस्थानों में भी काम हो रहा है। हर दिन औसतन 500 सर्जरी हो रही हैं। 65,000 मरीज ओ.पी.डो. में अपनी जांच करवा रहे हैं। कश्मीर में रविवार को सजने वाले बाजार में लोगों की भीड़ में जनजीवन प्रभावित रहा। श्रीनगर के टी.आर. सी. चौक बटमालू में रविवार को सूबह से ही कई रेहडियां सजी हुई थीं। कश्मीर में यह संडे बाजार के नाम से मशहूर है। यहां पर बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने के लिए आते हैं। जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद 5 अगस्त से करीब एक महीने तक संडे बाजार प्रभावित हुआ, लेकिन अब फिर पहले की तरह ही यह बाजार सजने लगा है। लोग खरीदारी करने के लिए उमड़ रहे हैं।

पुंछ जिले में पाक की नापाक हरकतों के जिंदा सबूत, सेना ने नस्ताबूत किए मोर्टार शेल

जम्मू। पाकिस्तान की कायराना हरकत के जिंदा सूबत पुंछ जिले के करमारा गांव में मिले हैं। सीमा से सटे इन गांवों में तीन मोर्टार शेल पाए जाने की जानकारी सेना को मिली। जिसके बाद सेना मौके पर पहुंची और तीनों जिंदा मोर्टार शेल को नस्ताबूत किया। लगातार पाकिस्तान की और से सीमा पर रिहाईशी इलाकों पर मोर्टार दागे जा रहे हैं जिस के जिंदा सबूत सामने आए हैं। पाकिस्तान ने पुंछ जिस में सीमा के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में गोले दागे पाकिस्तान के कई गोले लोगों के खेतों से जिंदा मिले जिसे सेना की ओद्न्र्स टीम ने नस्ताबूत किया है। पुंछ के सीमावर्ती क्षेत्रों में जिंदा मोर्टार की खबर लोगों ने सेना को दी जिस के बाद सेना ने ओद्न्र्स टीम को उन इलाकों में भेजा जहाँ पर पाकिस्तान की और से दागे गए 120 एम एम के कई मोर्टार शैल को नस्ताबूत किया गया। पाकिस्तान की नापाक हरकतों का सेना मुह तोड़ जवाब दे रही है। पाकिस्तन जितनी मर्जी कोशिश कर ले सेना उस की कोई भी कोशिश को कदापि सफल नहीं होने देगी। पाकिस्तान ने इन मोर्टारों को सेना के जवानों ने दिवाली के पटाकों की तरह फोड़ दिया। सेना की ओद्न्र्स टीम ने अपनी जान की परवाह किए बिना किस तरह से जिंदा मोर्टार जमीन के अंदर से निकाले हैं यह तस्वीरों में साफ़ देखा गया है। सोमवार को पाक सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कस्बा कीरनी सेक्टर में संघर्षविराम का उल्लंघन कर भारी गोलीबारी की थी। जिसका सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया था।

भारत और चीन, दोनों के लिए एक साथ अच्छा भविष्य जरूरी : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत और चीन के बीच सहज अतीत नहीं रहा है लेकिन दोनों देशों के लिए एक साथ अच्छा भविष्य होना बहुत जरूरी है। मामल्लापुरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हालिया अनौपचारिक बैठक का उल्लेख करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि दोनों देशों के नेताओं के बीच खुलकर, स्पष्ट बातचीत हुई है। अमेरिका-भारत रणनीतिक भागीदारी मंच द्वारा आयोजित परिचर्चा में विदेश मंत्री ने कहा,'मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि शीर्ष स्तर पर दोनों देशों में इस तरह की खुली चर्चा होती है। यदि आप एक-दूसरे से खुलकर बात नहीं कर सकते हैं, तो आप वास्तव में सही दिशा में आगे नहीं बढ़ सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि यह दोनों देशों के संबंधों के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा,'भारत और चीन का अतीत सहज नहीं रहा है लेकिन मुझे लगता है कि दोनों देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि उनका भविष्य अच्छा हो। लेकिन मुझे लगता है कि दोनों देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि उनका भविष्य अच्छा हो। एक अच्छा भविष्य खुद का नहीं बल्कि एक साथ अच्छा भविष्य।

सवाधान! प्रदूषण फैलाया तो हो सकती है जेल

नई दिल्ली । हरियाणा और पंजाब में पराली जलाने के मामलों में लगातार वृद्धि होती जा रही है और इससे मंगलवार के बाद हवाओं का रुख बदलने लगेगा। प्रदूषण स्तर में वृद्धि के साथ-साथ इंफोर्समेंट एजेंसियों ने भी सख्ती शुरू कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित कमेटी एप्का ने जहां मंगलवार को यूपी, हरियाणा सरकार को जेनरेटर बंद करने की कार्ययोजना पर तलब किया है वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदूषण फैलाने वालों को जेल भेजने के लिए कानूनी सलाह मशविरा शुरू कर दिया है। बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार वायु अधिनियम व जल अधिनियम में सख्त प्रावधान हैं और जुर्माना वसूली की जा रही है। बोर्ड को मिली करीबन 800 शिकायतों में अभी 20 से 25 प्रतिशत पर ही कार्रवाई हो पा रही है। अधिकांश शिकायतें ठोस कचरा फैलाने, कचरा जलाने, तोडफ़ोड़ से धूल संबंधी हैं। इनके लिए अभी एनजीटी के दिशानिर्देशानुसार पांच लाख रुपए तक का जुर्माना किया जा रहा है। लेकिन प्रदूषण बोर्ड ने अब उल्लंघन करने वालों को जेल भेजने संबंधी प्रक्रिया पर गंभीरता से काम करना शुरू कर दिया है। 'हम इस दिशा में कानूनी पहलुओं पर काम कर रहें और अधिनियम के अनुसार दिशानिर्देश, नियम तैयार कर रहे हैं। इससे अधिक से अधिक लोगों को प्रदूषण फैलाने से रोका जा सकेगा।

जिंदगी बचाने वाली आखिरी दवा भी हो रही फेल, 10 मरीजों की मौत

नई दिल्ली(एजेंसी)।

मरीजों को आखिरी विकल्प के तौर पर दी जाने वाली एंटीबायोटिक्स कोलिस्टिन का असर भी अब बेअसर हो रहा है। जनवरी 2016 से अक्तूबर 2017 के बीच एम्स ट्रॉमा सेंटर में करीब 22 मरीज ऐसे आए जिन पर एंटीबायोटिक्स कोलिस्टिन ने रिस्पॉन्ड नहीं किया। ये सभी मरीज मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट इन्फेक्शन से पीड़ित थे जोकि ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया के निमोनिए की वजह से फैलता है। इन 22 मरीजों में से 10 की मौत हो गई जबकि 12 मरीजों को बचा तो लिया गया लेकिन करीब 23 दिनों तक उन्हें अस्पताल में ही भर्ती रहना पड़ा और उन्हें काफी स्ट्रांग दवाइयां दी गईं। एम्स, सीएमसी वेल्लोर और अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के वैज्ञानिकों की तरफ से करवाई गई रिसर्च में यह बात सामने आई है। कोलिस्टिन सबसे पहली एंटीबायोटिक्स में से एक दवा है जिसकी खोज 1959 में की गई थी। यह दवा ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया के लिए काफी कारगर मानी जाती थी। हालांकि इस दवा के साइड इफेक्ट्स भी हैं, इससे किडनी को नुकसान पहुंचता है जिस कारण इसकी जगह और ज्यादा सुरक्षित एंटीबायोटिक्स का यूज होने लगा। लेकिन एक बार फिर अब कोलिस्टिन का इस्तेमाल होने लग गया है क्योंकि नई एंटीबायोटिक्स इन्फेक्शन का इलाज करने में सफल नहीं हो पा रही है।एम्स की इस स्टडी में अनुसंधानकर्त्ताओं ने यह भी पाया कि सभी 22 मरीज सिर्फ एंटीबायोटिक्स ही नहीं बल्कि कई दूसरी हाई एंड ड्रग्स जैसे-कैरबेपेनम्स, एक्सटेंडेड स्पेक्ट्रम सीफालोस्पोरिन्स और पीनिसिलिन बी लैक्टामेज के प्रति भी रेजिस्टेंट थे। वहीं इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि डॉक्टर्स, माइक्रोबायॉलिजिस्ट और पब्लिक हेल्थ ऑफिशल्स सभी को मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत है ताकि मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट ऑर्गैनिज्म को फैलने से रोका जा सके क्योंकि ऐसे मामले बढ़ रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन एंटीबायोटिक्स का इंसानों ही नहीं जानवरों पर भी बेहताशा इस्तेमाल इन दवाइयों का असर कम कर रहा है साथ ही इंफेक्शन को रोकने के लिए हेल्थकेयर फसिलिटी की कमी, साफ और सुरक्षित पेय जल की कमी और साफ-सफाई की सुविधाएं न होना भी मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट बीमारियों के बढ़ने की एक वजह है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ( ) ने भी एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस,स्क्र को दुनियाभर के 10 सबसे बड़े खतरों में से एक माना है। ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगर हर तरह के एंटीबायॉटिक्स के ज्यादा इस्तेमाल पर कंट्रोल नहीं किया गया तो हालात ऐसे हो जाएंगे कि निमोनिया, टीबी और गोनिरिया जैसे इंफेक्शन का भी इलाज नहीं हो पाएगा और इंसानी सभ्यता खतरे में आ जाएगी। भारत में वैसे तो सरकार ने एंटीबायोटिक्स के दुरुपयोग को लेकर जागरुकता फैलाने की काफी कोशिश की है लेकिन देश में कई ऐसे लोग हैं जो छोटी-छोटी बीमार के लिए बिना डॉक्टर से सलाह लिए। खुद दवा लेकर खा लेते हैं। ऐसे में जब लोग गंभीर रूप से किसी बीमारी के शिकार होते हैं तो यह एंटीबायोटिक्स अपना असर नहीं दिखातीं। इतना ही नहीं कई बार डॉक्टर भी हद से ज्यादा एंटीबायॉटिक प्रिस्क्राइब कर देते हैं जो नुकसानदाय होता है। उदाहरण के तौर पर सर्दी-खांसी के इलाज के लिए भी डॉक्टर एंटीबायॉटिक प्रिस्क्राइब दे देते हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी, दवाई खाने से पहले रखें लाल लकीर का ध्यान

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कई लोग ऐसे होते हैं जो खुद ही डॉक्टर बन जाते हैं लेकिन अक्सर कहा जाता है कि बिना डॉक्टर की सलाह के कभी कोई दवा नहीं खानी चाहिए क्योंकि यह आपके शरीर पर गलत असर डाल सकती है। अगर आप बीमार हैं या सेहत संबंधी कोई समस्या है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं और उनकी बताई दवाई ही खानी चाहिए। कई बार होता है कि चेतावनी के बावजूद भी लोग अपने किसी परिचित या फिर विज्ञापन पर दिखाई मनमानी दवाइयां खाकर जल्द ठीक होना चाहते हैं पर आगे चलकर इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। लोगों की इसी आदत को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी की है जिसमें कहा गया है कि सावधान कोई भी दवाई खाने से पहले रखें ध्यान। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट डाली है जिसमें बताया गया है कि किन दवाइयों को बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं खाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ट्वीट किया कि ज़िम्मेदार बनें और बिना डॉक्टर की सलाह के लाल लकीर वाली दवाई की पत्ती से दवाइयां न खाएं आप ज़िम्मेदार, तो दवाई असरदार।

ज़िम्मेदार, तो दवाई असरदार। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ट्वीट किया कि क्या आप जानते हैं? जिन दवाइयों की पत्ती पर लाल लकीर होती है उन्हें डॉक्टर की सलाह के बिना कभी नहीं लेना चाहिए। कुछ दवाइयों जैसे कि एंटीबायोटिक्स की पत्ती पर एक खड़ी लाल लकीर होती है।

इसका अर्थ यह होता है कि इन दवाइयों को केवल डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लेना चाहिए, हमेशा डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाई का पूरा कोर्स लें। यहां बता दें कि दवाई की पत्ती पर लाल लकीर का मतलब है कि मेडिकल स्टोर वाले भी बिना डॉक्टर की रिसिप्ट या रसीद के इन्हें नहीं बेच सकते। ऐसे में कोई भी दवा लेने से पहले दवाई के पत्ते पर लाल लकीर दिखे तो इसे डॉक्टर की सलाह से ही खाएं।

विश्वभर में शांति समझौतों में महिलाओं की कम भागीदारी से भारत निराश

संयुक्त राष्ट्र(एजेंसी)।

भारत ने विश्वभर में संघर्षों को रोकने के लिए होने वाले शांति समझौतों की प्रक्रिया में महिलाओं की कम भागीदार पर निराशा जताते हुए कहा कि संघर्ष की रोकथाम और पुनर्वास प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी अत्यावश्यक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव पोलोमी त्रिपाठी ने रेखांकित किया कि पिछले तीन दशकों में जिन शांति समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, उनमें से ज्यादातर में किसी महिला के हस्ताक्षर नहीं थे और ज्यादातर शांति समझौते महिलाओं का संदर्भ देने और लिंग के आधार पर होने वाली हिंसा जैसी उनकी ज्यादातर समस्याओं को उठाने में विफल रहे। त्रिपाठी ने शांति निर्माण आयोग की राजदूत स्तरीय बैठक में सोमवार को कहा, संघर्षों को रोकने, सुलझाने और संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण प्रक्रियाओं में महिलाओं के योगदान को मान्यता दिए जाने के बावजूद उन्हें शांति प्रक्रियाओं के दौरान होने वाली बातचीत से अक्सर बाहर रखा जाता है। उन्होंने कहा, संघर्ष को रोकने और संघर्ष के बाद पुनरुद्धार कार्यों में महिलाओं की सहभागिता को संस्थागत करने की तत्काल जरूरत है। इसके लिए न सिर्फ निर्देशात्मक सलाह की, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रतिबद्धता, क्षमता एवं संस्था निर्माण की भी जरूरत है।

त्रिपाठी ने इस बात को भी रेखांकित किया कि महिलाएं हिंसक चरमपंथ और संघर्ष संबंधी यौन हिंसा से निपटने में शुरुआती चेतावनी संकेत उपलब्ध कराने और हिंसा को बढ़ने से रोकने में सक्रिय भूमिका भी निभाती हैं। उन्होंने कहा, शांति निर्माण में महिलाओं की सहभागिता मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देती है, यह औपचारिक शांति समझौतों, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार निरोधी तंत्रों को लागू करने की बेहतर निगरानी में मदद करती है।

वायु प्रदूषण: हर 3 मिनट में हो रही 1 बच्चे की मौत

जालंधर।

धान की फसल की कटाई शुरू होते ही पराली जलने लगती है और जहरीला धुआं शुद्ध वातावरण में घुलने लगता है। पूरे देश में हर साल करीब 35 मिलियन टन कृषि अवशेष एक समयावधि में जलाए जाते हैं जिससे राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में स्थिति भयावह हो जाती है। अगर कचरे की बात की जाए तो प्रत्येक वर्ष भारत में करीब 6 टन कचरा उत्पन्न होता है जिसमें से 25 फीसदी ही ट्रीट हो पाता है और बाकी खुले में फैंक दिया जाता है या फिर जला दिया जाता है। पंजाब एवं हरियाणा में प्रतिबंध के बावजूद आजकल के मौसम में पराली जलाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। किसानों को सरकार जागरूक भी कर रही है लेकिन इस बात को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है कि लोग वायु प्रदूषण के कारण बीमारियों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा रहे हैं। पंजाब और हरियाणा के खेतों में कुल 3 करोड़ 50 लाख टन पराली जलाई जाती है। एक टन पराली जलाने से 2 किलो सल्फर डाइऑक्साइड, 3 किलो ठोस कण, 60 किलो कार्बन मोनोऑक्साइड, 1460 किलो कार्बन डाइऑक्साइड और 199 किलो राख पैदा होती है। आपको 7 शोधों के जरिए बताते हैं कि देश में हर 3 मिनट में वायु प्रदूषण से एक बच्चे की मौत हो जाती है और आपके स्वास्थ्य के लिए यह जहर कितना घातक है। भारत में वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में कहा गया है कि हर भारतीय ऐसी हवा में सांसें ले रहा है जो वायु गुणवत्ता के मानदंडों के मुताबिक असुरक्षित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 91 फीसदी आबादी के लिए हवा की गुणवत्ता स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। दुनिया की सिर्फ 9 फीसदी जनता ही वायु प्रदूषण की चपेट में नहीं है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष वायु प्रदूषण से 70 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

स्ट्रोक से होने वाली 24 फीसदी और हृदय रोग से होने वाली 25 फीसदी मौतों की वजह वायु प्रदूषण है। वार्षिक विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नए शोध के मुताबिक वायु में मौजूद नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और पी.एम. 10 का बढ़ता स्तर हमारी याददाश्त को नुक्सान पहुंचाता है। इंगलैंड के लोगों पर किए इस शोध के मुताबिक आयु बढने के साथ हमारी याददाश्त भी कमजोर होती चली जाती है। शोधकर्त्ताओं के मुताबिक इंगलैंड के सबसे स्व'छ और सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आयु में 10 साल का अंतर है। यानी स्व'छ क्षेत्र में 70 साल के व्यक्ति की याददाश्त प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले 60 साल के लोगों से अधिक होगी। वायु प्रदूषण से भारत में हर 3 मिनट में 5 साल तक के एक ब'चे की मौत हो जाती है। 2017 में भारत में वायु प्रदूषण से 1 लाख 85 हजार से अधिक ब'चों की मौत हुई।

रोजाना लगभग 508 ब'चों की मौते हुईं। ये आंकड़े ग्लोबल बर्डेन डिजीज, 2017 पब्लिक हैल्थ फाऊंडेशन ऑफ इंडिया, भारतीय अनुसंधान चिकित्सा परिषद, आई.एच.एम.ई. के संयुक्त अध्ययन में सामने आए हैं।

असम सरकार का फैसला- 2 से ज्यादा बच्चे, तो नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

असम में राज्य सरकार ने नयी जनसंख्या नीति का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत अब दो से अधिक बच्चे पैदा करने वालों को राज्य में सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। दरअसल राज्य में बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के जनसंपर्क विभाग से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक छोटे परिवार के मानक के अनुसार एक जनवरी 2021 से दो से अधिक बच्चे वालों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। सरकार का यह आदेश असम सरकार के वर्तमान कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। लेकिन नौकरी के लिए नए सिरे से आवेदन करने वाले लोग इस नए नियम के दायरे में आएंगे। कैबिनेट मीटिंग में नयी लैंड पॉलिसी को भी मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत जो लोग असम के मूल निवासी हैं लेकिन उनके पास जमीन नहीं है तो सरकार की ओर से उन्हें तीन बीघा जमीन जाएगी। इसके अलावा घर बनाने के लिए भी सरकार आधा बीघा जमीन देगी। कैबिनेट की इस बैठक में बसों का किराया भी 25 फीसदी बढ़ाने की घोषणा की गई है। बता दें कि इस बार 15 अगस्त के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से बढ़ती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या पर हमें आने वाली पीढ़ी के लिए सोचना होगा। पीएम मोदी ने कहा था कि सीमित परिवार से परिवार के साथ देश का भी भला होगा।

संपादकीय

तीर्थयात्रा में रोड़े

गुरुनानक देव से जुड़े करतारपुर गुरुद्वारा साहिब की यात्रा पर संकट के बादलों का मंडराना जितना दुखद है, उतना ही निंदनीय भी। समय रहते यात्रा संबंधी छोटे-मोटे विवादों को सुलझाने की जरूरत थी, लेकिन शनिवार को होने वाली बैठक के टल जाने से भी आशंकाओं को बल मिला है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का असर बहुप्रतीक्षित करतारपुर यात्रा पर जिस तरह से पड़ रहा है, उस पर समय रहते गौर करने की जरूरत है। विगत महीनों से भारत और पाकिस्तान की सरकारें करतारपुर यात्रा को व्यवस्थित स्वरूप देने में लगी हैं। अब जब यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, तब जो लोग करतारपुर की राह में कांटे बिछा रहे हैं, वे न केवल धार्मिक सद्भाव, बल्कि अमन-चैन के भी दुश्मन हैं। चिंता की बात यह है कि पाकिस्तान हर तीर्थयात्री से 20 अमेरिकी डॉलर अर्थात 1,400 रुपये की फीस चाहता है। पाकिस्तान की नजर तीर्थयात्रा के जरिए डॉलर कमाने पर है। यह शुल्क थोपे जाने के बाद यात्रियों का ऑनलाइन पंजीकरण शुरू नहीं हो सका है। शुल्क की वजह से नाराजगी है, जिसका इजहार केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने भी कर दिया है, उन्होंने पाकिस्तान द्वारा लगाए गए शुल्क को नृशंस करार दिया है। जब सिख समाज और संसार के तमाम सद्भावी गुरुनानक जी का 550वां प्रकाश पर्व मनाने जा रहे हैं, तब इसे कमाई के मौके में घटाकर देखना निहायत बचकाना मौकापरस्ती है। करतारपुर साहिब की भारत-पाकिस्तान सीमा पर डेरा बाबा नानक से दूरी महज चार किलोमीटर है, मात्र इतनी दूरी के लिए प्रति श्रद्धालु 1,400 रुपये की फीस अतार्किक है। इस ऐतिहासिक वर्ष में पाकिस्तान को सहृदयता का परिचय देना चाहिए, लेकिन वह कूटनीतिक और आर्थिक फायदे से ऊपर सोच नहीं पा रहा है। भारत की ओर भी फोर लेन की सड़क तैयार है। भारत और पंजाब सरकार ने अपनी सीमा के अंदर बड़े पैमाने पर तैयारियां कर रखी हैं, जिनका उद्घाटन 8 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी सामान्य यात्री की तरह करतारपुर साहिब जाएंगे। भारत की ओर पूरा उत्साह है, भारत यह भी चाहता है कि विशेष दिन पर पाकिस्तान 10 हजार तीर्थयात्रियों को जाने की मंजूरी दे। पाकिस्तान इस पर खामोश है, लेकिन शुल्क लेने पर अड़ा हुआ है। वह अपने व्यापक फायदे को नहीं देख पा रहा है, उसे भारतीय सिखों के माध्यम से प्रतिदिन एक लाख डॉलर की कमाई दिख रही है। आर्थिक तंगहाली में सद्भाव की गगरी भी खाली है। गुरुनानक देव का 550वां प्रकाश पर्व दोनों देशों के लिए एक अवसर होना चाहिए कि वे समस्याओं को सुलझाने के लिए उसी सद्भाव से प्रेरित हों, जिसका संदेश गुरु दे गए थे। एक ऐसे गुरु की यात्रा में कूटनीतिक-आर्थिक सौदेबाजी हो रही है, जिन्होंने जीवन भर 'सच्चा सौदा' किया और इसी का संदेश देते रहे। यह संदेश अब उन तमाम लोगों के व्यवहार में उतरना चाहिए, जो तीर्थयात्रा तक को नहीं बख्श रहे। इस तीर्थयात्रा से अब पीछे हटने की बात नहीं की जानी चाहिए। यह यात्रा एक ऐसी राह है, जो बन गई, तो हमेशा काम आएगी। उम्मीद और दुआ कीजिए, आगे कमाई के मौके भले मिल जाएं, लेकिन कूटनीति की नौबत न आए।

आज के ट्वीट

बधाई

जोको विदोदो को दूसरी बार हमारे करीबी नौवहन पड़ोसी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति बनने पर हार्दिक बधाई। मुझे विास है कि उनके कुशल नेतृत्व में दोनों देशों के बीच मित्रता और सामरिक गठजोड़ और गहरा होगा।

नरेंद्र मोदी

आम आदमी के रोजगार से चलेगी आर्थिकी

भरत झुनझुनवाला

सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन बनाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार की रणनीति है कि ब्याज दर में कटौती की जाए, जिससे कि उपभोक्ता के लिए ऋण लेकर खपत करना आसान हो जाए। जैसे ऋण लेकर कार खरीदने को वह उद्यत हो। अथवा न्यून ब्याज दर से प्रेरित होकर उद्यमी ऋण लेकर फैक्टरी लगाए, जिससे कि रोजगार भी उत्पन्न हो और उत्पादन भी बढ़े और हमारे आर्थिक विकास को गति मिले। लेकिन उद्यमी के लिए ब्याज दर का विषय बाद में आता है। उद्यमी के लिए पहला विषय होता है कि बाज़ार में माल की मांग है या नहीं। यदि बाज़ार में माल की मांग होती है तो वह येन केन प्रकारेण पूंजी की व्यवस्था कर फैक्टरी लगाता ही है। इसके विपरीत यदि बाज़ार में मांग नहीं है तो वह ब्याज दर कम होने पर भी ऋण नहीं लेता है क्योंकि फैक्टरी लगाकर प्रॉफिट तभी हासिल किया जाता है जब उत्पादित माल को बेचा जा सके। यदि ब्याज दर कम हो और आप उसके लालच में फैक्टरी लगा लें लेकिन माल बिके नहीं तो वह न्यून ब्याज दर निरर्थक हो जाता है। हम देख रहे हैं कि पिछले दो वर्षों में रिज़र्व बैंक ने कई बार ब्याज दरों में कटौती की है लेकिन अर्थव्यवस्था की विकास दर लगातार गिरती ही जा रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि ब्याज दर को न्यून करके हम आर्थिक विकास को हासिल नहीं कर सकते हैं। इसके विपरीत यदि बाज़ार में मांग हो और उद्यमी फैक्टरी लगाने को उद्यत हो तो न्यून ब्याज दर उसे अवश्य ही प्रेरित करती है कि वह छोटे के स्थान पर बड़ी फैक्टरी लगाए और 10 के स्थान पर 20 कर्मियों को रोजगार दे। अतः मुख्य बात बाज़ार में मांग का होना है। प्रश्न है कि इस समय बाज़ार में मांग क्यों नहीं उत्पन्न हो रही है। मांग उत्पन्न होने के लिए आम आदमी के पास क्रय शक्ति होनी चाहिए। किसान अथवा मध्य वर्गीय कर्मियों के पास आय होनी चाहिए, जिससे कि वे बाज़ार में जाकर टेलीविज़न अथवा बाइक खरीदें। बाज़ार में मांग न होना इस बात की तरफ संकेत करता है कि आम आदमी के पास क्रय शक्ति नहीं है। प्रश्न है कि यह क्रय शक्ति गयी कहां? मानना है कि नोटबंदी और जीएसटी ने आम आदमी की जीविका पर भारी चोट की है। नोटबंदी के कारण तमाम छोटे उद्यमियों का धंधा चौपट हो गया है। नोटबंदी के बाद एक ओला के ड्राइवर ने बताया कि वह तीस वर्षों से 3-4 कर्मियों को रोजगार देते थे। साड़ियों पर एम्ब्रॉयडरी इत्यादि करा कर उन्हें बेचते थे। लेकिन नोटबंदी से उनके क्रेताओं ने माल खरीदना बंद कर दिया। उन्हें अपने कर्मियों को बर्खास्त करना पड़ा और स्वयं ओला की ड्राइवरी करने को मजबूर हुए। इस प्रकार के तमाम उदाहरण हैं जिसके कारण आम आदमी की क्रय शक्ति कम हो गयी है और बाज़ार में मांग कम हो गयी है। जीएसटी का प्रभाव भी कुछ इसी प्रकार हुआ है। पूरे देश का बाज़ार एक हो गया है। इसका विशेष लाभ बड़े उद्यमियों को हुआ है। हरिद्वार के एक पर्दे बनाने वाले ने बताया कि पूर्व में उसके बनाए पर्दे बिकते थे क्योंकि सूरत के पर्दे आने में सरहद पर क्रय कर का प्रपंच रहता था। जीएसटी लागू होने के बाद सूरत के पर्दे

बेरोकटोक उत्तराखंड में प्रवेश कर रहे हैं और उसका धंधा दबाव में आ गया है। सरकार की सोच है कि विकसित देशों की तरह हम भी आधुनिक बड़े-बड़े कारखाने लगायें। इस नीति को लागू करने के लिए नोटबंदी और जीएसटी को लागू किया गया है। इस कारण छोटे उद्यमी दबाव में आ गए हैं, लोगों को रोजगार कम मिल रहा है, आम आदमी की क्रय शक्ति कम हो गयी है, बाज़ार में मांग नहीं है और बड़े उद्यमी भी निवेश करने को उद्यत नहीं हैं। सरकार की सोच यह भी है कि छोटे उद्यमियों को 10 वर्ष मात्र तक छूट दी जाए, जिसमें ब्याज दर कम होती है अथवा कुछ कानूनों से मुक्ति मिलती है। सरकार का कहना है कि जिस प्रकार एक पौधा सदा छोटा नहीं रहता बल्कि समय अनुसार उसे बड़े पौधे में बढ़ना चाहिए, उसी प्रकार छोटे उद्यम को सदा छोटा नहीं रहना चाहिए। यदि वह बड़ा नहीं होता तो उसका छोटे उद्यम का दर्जा दस वर्ष बाद समाप्त कर देना चाहिए। मानना है कि पौधे से तुलना करना उचित नहीं है। सही तुलना है धावक से। हर व्यक्ति की दौड़ करने की क्षमता अलग - अलग होती है। जो व्यक्ति कम तेज़ी से दौड़ता है, उसे दौड़ से सदा के लिए बाहर नहीं करना चाहिए। वह रिक्शा चला सकता है। यद्यपि वह उतना तेज़ नहीं चला सकेगा, जितना दूसरा रिकशा चालक चलाता है। तमाम ऐसे उद्यमी हैं, जिनकी क्षमता छोटे उद्यम को चलाने तक सीमित है। हम यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि हर छोटा उद्यम समय क्रम में बड़ा हो ही जाएगा। लेकिन सरकार की सोच है कि इस प्रकार के छोटे उद्यम को समाप्त कर दिया जाए। सरकार की इस सोच के कारण देश में आम आदमी का रोजगार कम हो रहा है और बाज़ार में मांग कम हो रही है और निवेश भी कम हो रहा है। सरकार की यह सोच भी है कि चीन द्वारा 80 और 90 के दशक में अपनाई गयी नीति को हम अपनाएं। लेकिन आज की परिस्तिथियों में मौलिक अंतर है। उस समय विकसित देशों में नये-नये तकनीकी अविष्कार हो रहे थे। जैसे विंडोज का सॉफ्टवेयर, लैपटॉप अथवा इंटरनेट। इन तकनीकी अविष्कारों के बल पर विकसित देशों की आय बढ़ रही थी और वे चीन से सस्ता माल खरीद रहे थे। आज विकसित देशों के पास इन्टरनेट जैसे आविष्कार कम ही उपलब्ध हैं। उनकी विकास दर भी दबाव में है। इसलिए उनकी मांग कम बन रही है। दूसरी बात यह कि रोबोट और आटोमेटिक मशीनों के आविष्कारों से आज विकसित देशों में माल का उत्पादन भी लाभप्रद हो गया है। जैसे पूर्व में फुटबाल बनाने के लिए कर्मियों की भारी संख्या में जरूरत पड़ती थी। इसलिए फुटबाल का उत्पादन चीन में होता था। आज यदि रोबोट द्वारा फुटबाल बनायी जाने लगे तो उसका उत्पादन विकसित देशों में हो सकता है। इस कारण आज विकसित देशों द्वारा भारत जैसे देशों से माल का आयात कम ही किया जा रहा है। आज हम चीन द्वारा पूर्व में अपनाई गयी नीति को अपनाकर आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। सरकार को चाहिए कि अपनी नीतियों में मौलिक परिवर्तन करे अन्यथा स्थिति बिगड़ती जायेगी। मूल बात यह है कि छोटे कर्मियों, छोटे किसानों और छोटे बिल्डरों, सबको संरक्षण दिया जाए। इनके द्वारा रोजगार अधिक बनते हैं और इन रोजगारों से ही अर्थव्यवस्था में मांग बनती है। विकसित देशों के बड़े-बड़े उद्यमियों और बिल्डरों की चकाचौंध से सरकार को भटकना नहीं चाहिए। जब तक सरकार अपने आम आदमी के रोजगार की ओर ध्यान नहीं देगी तब तक देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होने की संभावना कम ही है।लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

हाथों में प्रकाश हो

ओशो/ मैं अंधा हूं, मुझे रात और दिन बराबर है। मुझे दिन का सूरज भी वैसा है, रात की अमावस भी वैसी है। मेरे हाथ में प्रकाश का कोई अर्थ नहीं है। लेकिन मित्र का परिवार मानने को राजी न हुआ। और उन्होंने कहा कि तुम्हें तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन तुम्हारे हाथ में प्रकाश देखकर दूसरे लोग अंधेरे में तुमसे टकराने से बच जाएंगे, इसलिए प्रकाश लेते जाओ। यह तर्क ठीक मालूम हुआ और वह अंधा आदमी हाथ में लालटेन लेकर विदा हुआ। लेकिन दो सौ कदम भी नहीं जा पाया कि कोई उससे टकरा गया। वह बहुत हैरान हुआ, और हंसने लगा, और उसने कहा कि मैं समझता था कि वह तर्क गलत है, आखिर वह बात ठीक ही हो गई। दूसरी तरफ जो आदमी था, उससे कहा कि मेरे भाई, क्या तुम्हें दिखाई नहीं पड़ता कि मेरे हाथ में लालटेन है? तुम भी क्या अंधे हो? उस टकराने वाले आदमी ने कहा- मैं तो अंधा नहीं हूं, लेकिन आपके हाथ की लालटेन बुझ गई है। अंधे आदमी के हाथ में लालटेन हो, तो यह पता चलना कठिन है कि वह कब बुझ गई है। लेकिन अंधे आदमी को भी एक बात पता चल जाती है कि कोई उससे टकरा गया है। मनुष्यता मुझे इससे भी ज्यादा अंधी मालूम पड़ती है। हम रोज टकराते हैं, लेकिन हमें यह पता नहीं चलता कि हमारे हाथ का प्रकाश बुझ गया होगा। अंधे हम हैं, यह तो मनुष्य-जाति का पूरा इतिहास कहेगा कि हमारे पास जैसे आंखें नहीं हैं। क्योंकि हम उन्हीं गड्ढों में रोज गिर जाते हैं जिनमें कल भी गिरे थे, और परसों भी। अंधा होना तो जैसे मनुष्य-जाति का लक्षण माना जा सकता है। लेकिन हमारे हाथ में कुछ लोग प्रकाश भी दे जाते हैं- कोई बुद्ध, कोई महावीर, कोई कृष्ण, कोई क्राइस्ट। इस आशा में कि भला हम अंधे हों, लेकिन कोई हमसे न टकराएगा और प्रकाश दिखाई पड़ता रहेगा, मगर रोज हम टकराते हैं, फिर भी हमें यह खयाल नहीं होता कि हाथ का प्रकाश कहीं बुझ तो नहीं गया है? इस कहानी से इसलिए मैं बात शुरू करना चाहता हूं कि मेरे देखे आदमी के हाथ का प्रकाश बहुत दिन हुए बुझ गया है। और हम बुझे हुए दीये लेकर चल रहे हैं। बुझे हुए दीये दीयों के न होने से भी खतरनाक सिद्ध होते हैं। क्योंकि बुझे हुए दीये जिसके हाथ में होते हैं उसे यह खयाल होता है कि मेरे हाथ में प्रकाश है। जिसके हाथ में कोई प्रकाश नहीं है, कोई दीया नहीं है वह संभलकर चलता है; यह सोचकर कि मेरे हाथ में प्रकाश नहीं, रास्ता अंधेरा है और मैं अंधा हूं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

ताकि जनता का भरोसा कायम रहे

न्यायमूर्ति राकेश कुमार प्रकरण/ अनूप भटनागर

न्यायपालिका में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार की केन्द्रीय जांच ब्यूरो से जांच का आदेश देने वाले पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राकेश कुमार का आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में तबादला करने की शीर्ष अदालत की कोलेजियम ने सरकार से सिफारिश की है। उच्च न्यायालय की 11 न्यायाधीशों की पीठ ने पहले ही न्यायमूर्ति कुमार के आदेश पर रोक लगा दी थी। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली कोलेजियम ने हालांकि न्यायमूर्ति कुमार के साथ ही पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए.पी. शाही का भी मद्रास उच्च न्यायालय स्थानांतरण करने की भी सिफारिश की है। इन दोनों तबादलों के बारे में हालांकि उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर सिर्फ एक बयान ही अपलोड है लेकिन इन घटनाक्रम को न्यायमूर्ति राकेश कुमार के न्यायिक आदेश के बाद उठे बवंडर से ही जोड़कर देखा जा रहा है। वैसे तो कोलेजियम ने 15 अक्तूबर को कई अन्य मुख्य न्यायाधीशों के दूसरे उच्च न्यायालयों में तबादले की सिफारिश की है लेकिन न्यायमूर्ति कुमार का तबादला अधिक चर्चा में है। इसके अलावा कोलेजियम ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रवि रंजन और राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मोहम्मद रफीक को पदोन्नति देकर झारखंड और मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की भी सिफारिश की है। पटना उच्च न्यायालय में अगस्त महीने में हुई घटनाओं ने एक बार फिर यह सोचने पर विवश किया है कि न्यायपालिका में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। इस स्थिति से उबरने के लिये कठोरतम कदम उठाने और जांच के लिये सुव्यवस्थित मशीनरी की आवश्यकता है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों के स्टिंग आपरेशनों का जिक्र करते हुये न्यायमूर्ति कुमार ने यही कहा था कि न्यायाधीशों के बंगलों पर जनता का करोड़ों रुपया खर्च हो रहा है। उन्होंने भ्रष्ट न्यायिक अधिकारियों को संरक्षण दिये जाने का उल्लेख करते हुये जांच का आदेश दिया था। ऐसे में पहला सवाल तो यही है कि पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राकेश कुमार ने जिन बिंदुओं की ओर इशारा किया था, क्या किसी भी स्तर पर उनकी जांच करायी गयी? क्या इस तथ्य का पता लगाने का प्रयास हुआ कि एक व्यक्ति को जब उच्चतम न्यायालय तक से अग्रिम जमानत नहीं मिली तो निचली अदालत में समर्पण करते ही उसे नियमित जमानत कैसे मिल गयी? यही नहीं, आखिर ऐसी क्या वजह थी कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए.पी. शाही की अध्यक्षता में 11 न्यायाधीशों की पीठ को अप्रत्याशित कदम उठाते हुये न्यायमूर्ति कुमार का आदेश निलंबित करने के साथ ही उनसे सारा न्यायिक कार्य वापस लेने का निर्देश देना पड़ा। हालांकि, बाद में सितंबर में मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पूर्ण पीठ ने न्यायमूर्ति कुमार का न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की जांच कराने संबंधी आदेश निरस्त कर दिया था। न्यायमूर्ति कुमार के तबादले की सिफारिश चौंकाने वाली इसलिए भी रही क्योंकि देश की न्यायपालिका के मुखिया की बागडोर संभालते समय प्रधान न्यायाधीश ने संकेत दिया था कि इसमें भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई न्यायपालिका में शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार रोकने और इसमें से भ्रष्ट लोगों को बाहर करने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध कर चुके थे। यही नहीं, प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई ने तो जुलाई के महीने में भ्रष्टाचार के आरोपों में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पीठासीन न्यायाधीश एस.एन. शुक्ला के खिलाफ केन्द्रीय जांच ब्यूरो को नियमित मामला दर्ज करने की अनुमति देकर सबको चौंका दिया था। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एम.एन. वेंकटचलैया और पूर्व प्रधान न्यायाधीश वी.एन. खरे ने तो समय-समय पर इस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि न्यायपालिका भी इसी समाज का हिस्सा है और इसमें आने वाले सदस्य भी हमारे समाज से ही आते हैं। यहां सवाल उठता है कि न्यायमूर्ति राकेश कुमार से पहले न्यायिक कार्य वापस लेने, उनका आदेश निरस्त करने और न्यायिक कार्य उन्हें सौंपने और अब उनका तबादला किये जाने की घटना के बाद क्या उच्च न्यायालय का कोई अन्य न्यायाधीश न्यायपालिका में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार की जांच का आदेश देने का साहस कर सकेगा? वैसे भी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून निरस्त करने के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के चार साल पुराने फैसले में न्यायाधीशों की नियुक्ति, तबादले और पदोन्नति से संबंधित मेमोरैण्डम ऑफ प्रसीजर के बारे में दिये गये सुझावों पर पूरी तरह अमल अभी तक नहीं हुआ है। न्यायमूर्ति कुमार के तबादले की घटना के साथ ही उच्चतम न्यायालय की कोलेजियम की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। न्यायमूर्ति कुमार के तबादले की सिफारिश के कारणों को भी सार्वजनिक किया जाये ताकि जनता के मन में न्यायपालिका की निष्पक्षता को लेकर व्याप्त अटूट विश्वास पूर्ववत बना रहे।

एक्सिस बैंक को 112.1 करोड़ रुपए का घाटा, बैंक की प्रोविजनिंग पर दिखा असर

नई दिल्ली(एजेंसी)।

वित्त वर्ष 2020 की पहली दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक को 112.1 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है जबकि वित्त वर्ष 2019 की दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक को 789.6 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2020 की दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक की ब्याज आय 16.6 फीसदी बढ़कर 6,102 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। वित्त वर्ष 2019 की दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक की ब्याज आय 5,232.1 करोड़ रुपए रही थी। तिमाही दर तिमाही आधार पर दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक का ग्रॉस एनपीए 5.25 फीसदी से घटकर 5.03 फीसदी रहा है। तिमाही आधार पर दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक का नेट एनपीए 2.04 फीसदी से घटकर 1.99 फीसदी रहा है। रुपए में देखें तो तिमाही दर तिमाही आधार पर दूसरी में एक्सिस बैंक का नेट एनपीए 11,037 करोड़ रुपए से मामूली बढ़कर 11,138 करोड़ रुपए रहा है। तिमाही आधार पर दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक का ग्रॉस एनपीए 29,405 करोड़ रुपए से बढ़कर 29,071 करोड़ रुपए रहा है। तिमाही आधार पर दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक की प्रोविजनिंग 3,814.6 करोड़ रुपए से घटकर 3,518.4 करोड़ रुपए रही है जबकि पिछले साल की दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक की प्रोविजनिंग 2,927.4 करोड़ रुपए रही थी।

पीएमसी के ग्राहकों को राहत, रिजर्व बैंक ने कहा- बैंक में खाताधारकों का पैसा पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली(एजेंसी)।

पंजाब एंड महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक (पीएमसी) के खाताधारकों को आज राहत मिली है। रिजर्व बैंक के अधिकारियों की पीएमसी बैंक खाताधारकों के डेलिगेशन के साथ बैठक खत्म हो गई है। रिजर्व बैंक के अधिकारियों का कहना है कि बैंक में खाताधारकों का पैसा पूरी तरह से सुरक्षित है। बता दें कि पीएमसी बैंक में पैसा फंसा होने की वजह से खाताधारक काफी नाराज हैं। जानकारी के मुताबिक रिजर्व बैंक अधिकारियों की डेलिगेशन के साथ 19 बिंदुओ पर चर्चा हुई है। बैंक के खाताधारकों ने आरबीआई को उनके मामले का समाधान करने के लिए 30 अक्टूबर तक का समय दिया है। इस संदर्भ में आरबीआई ने कहा कि वह 27 अक्टूबर को इस पर बयान जारी करेगा। आरबीआई अधिकारियों का कहना है कि पीएमसी बैंक को रिवाइवल पैकेज देने का प्रयास किया जाएगा। खाताधारकों ने पीएमसी बैंक के जिस भी खाताधारक की मृत्यु हुई है उन सभी के परिजन को 25 लाख रुपए मुआवजे की मांग की है। पीएमसी बैंक के खाताधारक आज मुंबई के आजाद मैदान पर प्रदर्शन कर रहे थे। गौरतलब है कि बैंक के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पांच खाताधारकों की मौत हो चुकी हैं। पिछले दिनों मुरलीधर आसनदास धारा नाम के शख्स की मौत हो गई। पैसे नहीं होने की वजह से बुजुर्ग आसनदास का इलाज नहीं हो पाया और उनकी मौत हो गई। इससे पहले इसी बैंक के दो और खाताधारकों संजय गुलाटी तथा फत्तेमल पंजाबी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो चुकी है, जो बैंक में जमा अपने पैसों को लेकर बेहद चिंतित थे। संजय ने भी पीएमसी में 90 लाख रुपए जमा कर रखे थे, घोटाले की खबर सुनते ही उनके होश फाख्ता हो गए। वो चिंतित रहने लगे थे। संजय के बाद मुंबई के मुलुंद इलाके के रहने वाले फत्तेमल पंजाबी की बीते मंगलवार को मौत हो गई थी। तीसरी मौत 39 साल की एक डॉक्टर की हुई है, जो डिप्रेशन से जूझ रही थी ।

आयकर विभाग का खुलासा, देश में सिर्फ 9 लोगों की सैलेरी है 100 करोड़ रुपए से भी ज्यादा

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में करोड़पतियों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि देश में सिर्फ 9 शख्स ऐसे हैं, जिनकी एक साल की आमदनी 100 करोड़ रुपए से ज्यादा है। आयकर विभाग के आकड़ों के अनुसार देश में वित्त वर्ष 2017-18 में 100 करोड़ रुपए से अधिक सैलेरी पाने वाले 9 लोग हैं आयकर विभाग की मानें तो 500000 लोग सालाना एक करोड़ से ज्यादा सैलरी पाते है। हालांकि कोई भी व्यक्ति देश में 500 करोड़ के सैलरी वाले स्लैब में नहीं है। आयकर विभाग ने ये आंकड़े इनकम टैक्स रिटर्न के आधार पर जारी किए हैं। आयकर विभाग के अनुसार 2.9 करोड़ वेतनभोगी टैक्सपेयर्स में से 81.5 लाख लोगों की सैलरी 5.5 लाख रुपए से लेकर 9.5 लाख रुपए के बीच है। 22 लाख से अधिक लोग 10-15 लाख की सैलरी स्लैब में हैं। 15 से 20 लाख के स्लैब में सात लाख लोग है। 20 से 25 लाख के स्लैब में 3.8 लाख लोग हैं। 25 से 50 लाख के स्लैब में पांच लाख लोग है। 50 लाख से एक करोड़ से स्लैब में 1.2 लाख लोग हैं। एक करोड़ रुपए से अधिक की सैलरी लेने वालों की संख्या 49,128 है, जिनमें से केवल नौ लोगों की सैलरी 100 करोड़ रुपए से अधिक है।

दिवाली ऑफर्स- महिंद्रा की कार खरीदने पर मिलेगी 1 लाख रुपये तक की छूट

नई दिल्ली(एजेंसी)।

दिवाली पर अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए ऑटो इंडस्ट्री कार खरदीने पर कई ऑफर्स दे रही हैं। कुछ समय पहले होंडा और हुंडई ने ग्राहकों को अपनी ओर खींचने के लिए दिवाली ऑफर्स की पेशकश की थी। अब महिन्द्रा भी दीपावली ऑफर्स लेकर आई है। महिन्द्रा अपनी कारों पर 30,000 रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की छूट दे रही है। अगर इस त्योहारी सीजन पर आप महिन्द्रा की नई कार खरीदते हैं तो जाहिर तौर पर काफी अच्छी-खासी बचत कर पाएंगे। यहां देखिए महिन्द्रा की किस पर कितना डिस्काउंट मिल रहा है। महिंद्रा अल्टुरस जी4 पर सबसे ज्यादा एक लाख रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। हालांकि, कंपनी का यह ऑफर सभी शहरों के लिए अलग-अलग रखा गया है। दिवाली के मौके पर कंपनी की किसी भी कार पर

फाइनल डील प्राप्त करने के लिए ग्राहक अपने नज़दीकी डीलर से संपर्क कर सकते हैं। चर्चाएं हैं कि कंपनी अपनी नेक्स्ट-जनरेशन थार को 2020 में होने वाले ऑटो एक्सपो में उतार सकती है। इसी के साथ एसयूवी एक्सयूवी500 को भी लॉन्च किया जा सकता है। हाल ही में महिंद्रा ने पुष्टि की है कि वह फोर्ड के साथ मिलकर भारत व अन्य उभरते बाज़ारों के लिए नई कारों को तैयार करेगी। इस जॉइन्ट वेंचर के तहत महिंद्रा की 51त्न और फोर्ड की 49त्न हिस्सेदारी रहेगी। साथ ही कंपनी द्वारा फोर्ड के भारतीय ऑपरेशन्स का भी संचालन किया

नोटबंदी और जीएसटी के बाद मनरेगा में 18 से 30 साल के युवाओं की बढ़ी तादाद

नई दिल्ली। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत मजदूरी करने वाले युवाओं की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। आंकड़ों की मानें, तो ग्रामीण इलाकों में यह ट्रेंड नोटबंदी और जीएसटी की बाद बढ़ा है। इंडियन एक्सप्रेस में छपी खबर के मुताबिक एक्सपर्ट ग्रामीण इलाकों में कृषि संकट और नौकरी के कम होते अवसरों को इसकी वजह मान रहे हैं। एक गैर-सरकारी संगठन 'मजदूर किसान शक्ति संगठन' के संस्थापक सदस्य निखिल डे ने बताया कि अर्थव्यवस्था मंद पड़ गई है। ऐसे में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो गए हैं। इसलिए युवाओं ने मनरेगा की तरफ रुख किया है। वित्त वर्ष 2013-14 में मनरेगा के तहत काम कर रहे 18 से 30 वर्ष के युवाओं की संख्या 1 करोड़ से ज्यादा थी। हालांकि वित्त वर्ष 2017-18 में यह आंकड़ा घटकर 58.69 लाख हो गया। लेकिन नवंबर 2016 में नोटबंदी और 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2018-19 में मनरेगा में काम करने वाले युवाओं की संख्या बढ़कर 70.71 लाख हो गई। युवाओं के इस अनुपात में बढ़ोतरी चालू वित्त वर्ष में भी जारी है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर माह तक मनरेगा के युवा कामगारों की संख्या 57.57 लाख हो गई है।

कोटक महिंद्रा बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव, मिलेगा 6.75 फीसदी तक रिटर्न

नई दिल्ली(एजेंसी)।

यदि आप अपनी बचत पर अधिक ब्याज कमाना चाहते हैं, तो फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजनाओं में निवेश एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट करना सबसे आसान और सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसमें निवेशक को तय अंतराल पर निश्चित रिटर्न मिलना तय होता है, साथ ही बाजार के उतार-चढ़ाव का भी इस पर कोई असर नहीं पड़ता। कोटक महिंद्रा बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज में बदलाव किया है। वरिष्ठ नागरिकों को आम नागरिकों के मुकाबले 50 बेसिस प्वाइंट्स ज्यादा रिटर्न मिलेगा। नई दरें 18 अक्तूबर से लागू हो गई हैं। दो करोड़ से कम की एफडी पर आम नागरिकों को इतना मिलेगा ब्याज सात दिन से 14 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 3.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। 15 दिन से 30 दिन की एफडी पर ग्राहकों को चार फीसदी ब्याज मिलेगा। 46 दिन से 90 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 5.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 91 दिन से 120 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 5.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। 121 दिन से 179 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 5.60 फीसदी ब्याज मिलेगा। 180 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 181 दिन से 269 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 270 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 271 दिन से 363 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 6.35 फीसदी ब्याज मिलेगा। 364 दिन की एफडी पर, 365 दिन से 389 दिन की एफडी पर और 390 दिन की एफडी पर ग्राहकों को 6.75 फीसदी ब्याज मिलेगा।

391 दिन से 23 महीने से कम की एफडी पर ग्राहकों को 6.70 फीसदी ब्याज मिलेगा। 23 महीने एक दिन से दो साल तक की एफडी पर ग्राहकों को 6.70 फीसदी ब्याज मिलेगा। सभी बैंक एफडी में वरिष्ठ नागरिकों को खास सुविधा देते हैं।

टैक्स सलाहः कृषि भूमि को गिफ्ट में देने पर नहीं देना होगा टैक्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।

सवाल - मेरे पिता पैतृक कृषि भूमि का कुछ भाग मुझे उपहार के रूप में देना चाहते हैं। इस जमीन की रिजिस्ट्री में कौन-कौन से टैक्स लगेंगे या यह कर मुक्त होगा? कुछ राज्यों में कर छूट मिलती है। -राहुल मिश्रा, उत्तर पद्रेश जवाब - पिता द्वारा पैतृक कृषि भूमि को उपहार में देने पर कोई आयकर नहीं देना होगा। हां, उपहार डीड को आपको रजिस्ट्रर्ड करना होगा। इसके पंजीयन पर पर आपको उत्तर प्रदेश स्टाम्प एक्ट के तहत जो भी शुल्क निर्धारित होगी उसके अनुसार स्टाम्प पेपर खरीदकर उपहार डीड को पंजीकृत कराना होगा। सवाल - मैं एक सरकारी कर्मचारी हूं। मेरे नाम से मकान है। मेरी पत्नी के नाम से जमीन है। मैं बेटी के नाम से जमीन लेना चाहता हूं। उसकी उम्र 19 साल है। कोई कानूनी परेशानी तो नहीं है। -राम, दिल्ली जवाब - जी नहीं। आयकर की दृष्टि से कोई कानूनी परेशानी नहीं है। आयकर नियमानुसार आप अपनी पुत्री को उपहार दे सकते हैं। इस प्रकार के उपहार पर कोई कर नहीं है। सवाल - मैं एक राशि सेंट्रल बैंक में सावधि जमा (एफडी) किया है। उसका हर महीने मेरे खाते में ब्याज आता है। लेकिन मेरा आय कर योग्य नहीं है। जब मैंने इस वर्ष रिटर्न फाइल किया तो उसमें रिफंड राशि में 2852 रुपये दिखा रहा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि यह राशि कब तक रिफंड होगा? मेरा रिटर्न जमा हो गया है। अब रिफंड पाने के लिए क्या करना पडेगा? -मोहम्मद असलम, साहेबगंज, मुजफ्फरपुर जवाब - आपने आयकर रिटर्न जमा करके अपना दायित्व पूरा कर दिया है। अब जो भी करना है, आयकर विभाग को करना है। आप इंतजार करें। आपका रिफंड जल्द ही आपके बैंक में जमा हो जाएगा। आजकल रिफंड कर विवरणी जमा करने के 10-15 दिन में लोगों को आयकर रिफंड प्राप्त हो रहे हैं। सवाल - पिता से प्राप्त जमीन को मैंने बेचा और अपने पुत्र के नाम से फ्लैट और कॉमर्शियल दुकान खरीदा है। क्या पूंजीगत लाभ कर देना होगा? अगर हां तो किसे देना होगा? -रामावतार, रोहतक जवाब - पिता से प्राप्त जमीन को बेचने पर जो पूंजीगत लाभ कर बनेगा उस पर आपको ही कर अदा करना होगा। फ्लैट में निवेश आपने अपने पुत्र की बजाय अपने नाम से किया होता तो आपको निवेश का लाभ प्राप्त हो सकता था। कॉमर्शियल दुकान में निवेश पर पूंजीगत लाभ कर में कोई लाभ प्राप्त नहीं होता है। सवाल - मेरी पत्नी गृहिणी है। उनको जो पैसा मैं हस्तांतरित करता हूं उसे वो म्यूचुअल फंड और शेयरों में निवेश करती है। इस निवेश से उनको लंबी व छोटी अवधि का पूंजी लाभ होता है। आयकर की धारा 64 के क्लबिंग प्रावधानों के अनुसार उनकी इस आय को मुझे अपनी आय में जोड़ कर दिखाना चाहिए। लेकिन, मेरी कर विवरणी तो मेरे पेन से लिंक है तो क्या मुझे उनकी इस आय भी जोड़कर करके दिखानी चाहिए। -रोहित जैन जवाब - देखिये जब आप आयकर फॉर्म को ठीक से देखेंगे तो पता चलेगा कि आय की क्लबिंग (जोड़ने) के लिए अलग से कॉलम होते हैं। उस कॉलम में पूछा जाता है कि आप किस की आय को क्लब कर रहे हैं, उनसे आप का संबंध क्या है, उनका पेन क्या है।

किराना दुकानों के डिजिटलीकरण, आधुनिकीकरण के लिए सरकार, उद्योग साथ काम करें: डेलॉयट

नई दिल्ली। सरकार और उद्योग को किराना दुकानों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण को मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि ये देश के खुदरा क्षेत्र का महत्वपूर्ण अंग है। डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि परंपरागत और आधुनिक खुदरा क्षेत्र (ई-कॉमर्स सहित) के अपने गुण हैं जिनका साझा मंच उपलब्ध कराने के लिए एकीकरण किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजार अब परंपरागत दुकानों से मिलेजुले मॉडल की ओर रुख कर रहा है। ब्रांडों को सभी चैनलों पर उपभोक्ताओं को बाधारहित खरीदारी का अनुभव उपलब्ध कराने के लिए विभन्न माध्यमों का इस्तेमाल करना चाहिए। रिपोर्ट कहती है, ''देश के खुदरा क्षेत्र में किराना दुकानें एक महत्वपूर्ण अंग हैं और निकट भविष्य में भी यही स्थिति बनी रहेगी। ऐसे में सरकार और उद्योग को इनके डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण के लिए आपस में सहयोग करना चाहिए। डेलॉयट ने कहा कि ग्रामीण बाजारों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। यदि गैर शहरी केंद्रों को नजरअंदाज किया जाता है तो उसके नतीजे खराब होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है, ''रणनीतियां इस तरीके से बनाई जानी चाहिए जिससे सभी लक्षित खंडों की मांग को पूरा किया जा सके। ब्रांडों को आईओटी, कृत्रिम मेधा और डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकियों में निवेश करना चाहिए जिससे ग्राहकों को बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके।

इन्फोसिस के शेयर में 6 साल की सबसे बड़ी गिरावट, निवेशकों के डूबे 45 हजार करोड़ रुपए

मुंबई(एजेंसी)।

देश की बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के मैनेजमेंट पर लगे गंभीर आरोपों के बाद मंगलवार को सुबह कंपनी का शेयर 12 फीसदी (10-33,रू) से ज्यादा टूट गया है। इससे निवेशकों को कुछ ही मिनटों में 45 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। आपको बता दें कि एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन्फोसिस ने अपना मुनाफा और आमदनी बढ़ाने के लिए अनैतिक कदम उठाए हैं। इस पूरे मामले को लेकर एक ग्रुप ने इन्फोसिस के बोर्ड को चिट्ठी लिखकर इसकी जानकारी दी है। इन्फोसिस के शेयर में इंट्राडे (एक दिन में) में आई 6 साल की सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट में कंपनी की मार्केट कैप 3.28 लाख करोड़ रुपए से गिरकर 2.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है। इस पूरे मामले को लेकर इन्फोसिस की ओर से आए बयान में कहा गया है कि मामले में के आरोपों की स्वतंत्र तौर पर जांच करेंगे।

सितंबर में से 2 शिकायतें मिली थीं। इन्फोसिस को लेकर व्हीसल ब्लोअर्स ने कंपनी के बोर्ड को इस मामले से जुड़ी एक चिट्ठी 20 सितंबर को लिखी है। चिट्ठी में बताया गया है कि इन्फोसिस ने अपने मुनाफे और आय को बढ़ाने के लिए अनैतिक कदम उठाए है। कंपनी के मौजूदा सीईओ सलिल पारेख भी इसमें शामिल है। रिपोर्ट का दावा है कि सलिल पारेख बड़ी डील में मार्जिन्स को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के लिए दबाव बनाते है और आमदनी और मुनाफे का गलत अनुमान बताने को कहते हैं। आपको बता दें कि एक ऐसी ही चिट्ठी 27 सितंबर को अमेरिकी शेयर बाजार के रेग्युलेटर यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को भी दी गई है। दरअसल इन्फोसिस का एडीआर (अमेरिकी डिपॉजिटरी रिसीप्ट) न्यूयॉर्क एक्क्रेंज पर लिस्ट है। सोमवार को 12 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया था।

संक्षिप्त समाचार

उबर के जरिए कर सकेंगे मेट्रो में सफर, साथ में मिलेगी कैब की सुविधा

नई दिल्ली। अब आप उबर के जरिए दिल्ली मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन में यात्रा कर सकेंगे। उबर ने इसके लिए दिल्ली मेट्रो कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) से समझौता किया है। इसके लिए यात्रियों को कार्ड या फिर टोकन का प्रयोग भी नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही यात्रियों को घर से मेट्रो स्टेशन या फिर मेट्रो स्टेशन से अपने घर तक कैब की सुविधा भी मिलेगी। इस तरह की योजना पहली बार एशिया और भारत में शुरू की गई है। इससे पहले इस सेवा को अमेरिका के बोस्टन और फ्रांस के नाइस शहर में शुरू किया गया था। एप पर एक बुकिंग से ही आपकी पूरी यात्रा हो जाएगी। इससे यात्रियों को बार-बार बुकिंग करने के, टोकन या फिर स्मार्ट कार्ड को खरीदने/रिचार्ज कराने के झंझट से मुक्ति मिलेगी। फिलहाल चार स्टेशनों पर यह सुविधा दी जा रही है। अगले चरण में इस सेवा के लिए 46 स्टेशन और जोड़े जाएंगे। इसी प्रकार चरणबद्ध तरीके से 210 स्टेशनों पर यह सुविधा दी जाएगी। उबर ऐप के जरिए जब कोई यूजर उबर पर अपनी लास्ट माइल तक की बुकिंग करेगा, तो घर से कैब उसे पिक करेगी और मेट्रो स्टेशन तक छोड़ेगी। मेट्रो पहुंचकर आपको मेट्रो टिकट या पास की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप उबर ऐप पर एक कोड को स्कैन करके मेट्रो स्टेशन में एंट्री ले सकेंगे। मेट्रो स्टेशन से बाहर आने के लिए भी आपको कोड स्कैन करना होगा। मेट्रो स्टेशन से बाहर आने पर कोई भी उबर कैब, बस या बाइक के जरिए आप अपने सफर की लास्ट माइल डेस्टिनेशन तक जा सकते हैं। मेट्रो स्टेशन पर उबर बस की भी सुविधा मिलेगी।

फिर घटे पेट्रोल डीजल के दाम, कच्चे तेल में 4 दिनों से नरमी जारी

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल के दाम में मंगलवार को फिर कटौती की गई है। तेल विपणन कंपनियों ने देश के चार प्रमुख महानगरों दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम में पांच पैसे जबकि डीजल के दाम में छह पैसे प्रति लीटर की कटौती की है। उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में विगत चार दिनों से नरमी बनी हुई है। इंडियन ऑयल की बेवसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम घटकर क्रमशः 73.22 रुपये, 75.87 रुपये, 78.83 रुपये और 76.04 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल के दाम भी घटकर क्रमशः 66.11 रुपये, 68.47 रुपये, 69.29 रुपये और 69.83 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर ब्रेंट क्रूड के दिसंबर अनुबंध में मंगलवार को 0.08 फीसदी की कमजोरी के साथ 58.91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। वहीं, न्यूयॉर्क मर्के टाइल एक्सचेंज (नायमैक्स) पर अमेरिकी लाइट क्रूड वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) के दिसंबर डिलीवरी अनुबंध में 0.06 फीसदी की नरमी के साथ 53.67 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार रहा था।

सरकार ने नई सुविधाओं के साथ पेश किया भीम 2.0

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को भीम ऐप का 2.0 संस्करण लॉन्च किया। इलेक्ट्रॉनिक व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने स्टार्टअप समिट में ऐप को पेश किया। लांच के साथ ही इस ऐप ने काम करना शुरू कर दिया। नए भीम 2.0 के जरिए अब दान भी किया जा सकेगा। इस ऐप में कारोबारियों की ओर से दिए जाने वाले ऑफर भी दिखाई देंगे। इससे पहले, स्टार्टअप समिट को संबोधित करते हुए प्रसाद ने कहा कि स्टार्टअप्स को एक पुल की भूमिका निभानी है। स्टार्टअप्स को उन एक लाख गांवों तक पहुंचना होगा, जिन्हें डिजिटल गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रसाद ने कहा कि पिछले छह साल में सरकार ने ऐसी नीतियां बनाई हैं, जिससे भारत के तकनीकी का हब बनने के लिए एक मंच तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यमियों को अब देश के बाहर भी कारोबार के मौके तलाशने चाहिए।

क्रांति समय

नकली पीएसआई और डी-स्टाफ कर्मी को असली पुलिस ने पकड़ा

पीएसआई का यूनिफार्म पहनकर रौब झाड़ते थे

सूरत.

कतारगाम विस्तार में से असली पुलिस ने एक नकली पीएसआई और डी-स्टाफवाले को दबोच लिया था. आरोपी पीएसआई का यूनिफार्म पहनकर और उसके साथ डी-स्टाफ के कर्मी की तरह अन्य आरोपी के साथ रहकर दोनों रौब झाड़ते थे.

मिली जानकारी के मुताबिक़ कतारगाम पुलिस ने अमरोली जकातनाका के पास से आरोपी गणेश टीनू प्रधान (निवासी -विष्णु नगर-वेड रोड) और अश्विन रंगनिध प्रधान (निवासी-गुजरात हाऊसिंग बोर्ड,सायण) को गिरफ्तार कर लिया था. आरोपी गणेश ने पीएसआई का यूनिफार्म पहना हुआ था जबकि अश्विन साधे ड्रेस में डी-स्टाफवाले के रूप में था.इतना ही नहीं नकली पीएसआई ने खिलौनेवाली गन तक लटकाई हुई थी. कतारगाम पुलिस वहा से गुजर रही थी तब दोनों पर शंका गई और पुलिस ने उनकी जाँच पड़ताल की तब आरोपी गणेश ने यूनिफार्म के नेम प्लेट पर बककल नंबर लिख रखा था जिससे दोनों की पोल खुल गई. पुलिस ने पूछताछ की तो दोनों ने कबूल लिया था कि वे लोग नकली पुलिस कर्मी है और रौब जमाते घूमते है. इसके अलावा पुलिस ने यह भी जानकारी दी है कि दोनों एक साल पहले भी रांदेर क्षेत्र में स्थित एक गार्डन में जोड़े को परेशान करते हुए पकड़े गए थे.पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज अग्रिम जाँच शुरू की है.

टोपी/लिम्बायत में बदमाशों का आतंक

'मै इधर का भाई हु' कहकर युवक को चाक़ू मरकर लूटा

सूरत.

लिम्बायत क्षेत्र में आतंक मचा रहे बदमाश,असामाजिक तत्व से सामान्य लोगो का जीना दुश्वार होने लगा है. एक और घटना को अंजाम देते हुए बदमाश ने युवक को यह कहकर धमकाया कि मै इधर का भाई और फिर उसे चाकू मारकर घायल कर मोबाइल और नगद रूपये लूटकर भाग गये थे.

मिली जानकारी के मुताबिक़ गोडादरा के प्रियंका पार्क में रहनेवाला दीपक परदेशी गत शाम गोडादरा के आस्तिक पार्क के पास से जा रहा था तब एक बदमाश उसके पास आया और उसे कहने लगा था कि मै इधर का भाई हु.और फिर उसके साथ मारपीट कर चाकू मारकर घायल कर दिया और उसके पास से मोबाइल तथा ८००० रूपये नगद लूटकर भाग गए. युवक को घायल अस्वथा में इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया था. लिम्बायत पुलिस ने आरोपी बाबू कुशवा,गोलियों और अन्य एक के खिलाफ मामला दर्ज कर जाँच शुरू की है.

डिंडोली में ज्वेलरी की दुकान और पान के गल्ले में लगी आग

आग की घटना से स्थल पर मची अफरातफरी

सूरत.

नवागाम डिंडोली क्षेत्र में देर रात को एक ज्वेलरी की दुकान और पान के गल्ले में आग लग गई थी. कुछ ही देर में आग इतनी भीषण हो गई थी कि उसकी लपटे बाहर तक दिखाई देने लगी थी जिससे स्थानीय लोगो में अफरातफरी मच गई थी.घटना की जानकारी मिलने पर फायर की टीम घटना स्थल पर पहुंच गई थी.

जानकारी के मुताबिक़ डिंडोली की चिंता चौक में एक ज्वेलरी की दूकान है तथा उसके बगल में एक पान का गल्ला है. देर रात करीब १२ बजे दोनों दुकानों में आग लग गई थी.आग की वजह से पवन का गल्ल समूर्ण रूप से जल गया था वही ज्वेलरी की दुकान में टेबल सहित सामान जल गया था आग की घटना के बारे में पता चलने पर स्थानीय लोगो की भीड़ जमा हो गई थी,घटना के बारे में फायर विभाग को जानकारी दी गई जिससे फायर की टीम घटना स्थल पर पहुंची और आधे घण्टे की मशक्कत के बाद सम्पूर्ण रूप से घटना पर काबू पा लियाथा .इलेक्ट्रिक शार्ट सर्किट होने की वजह से आग लगने की संभावना जताई जा रही है,इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई थी.

उधना में जुए के अड़्ड़े पर छापा

९ जुआरियो को लिया हिरासत में,डेढ़ लाख का माल बरामद

सूरत.

पुलिस ने उधना क्षेत्र में चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारा था उस दौरान जुआरी यहाँ वहा भागने लगे थे तभी स्थल पर से पुलिस ने ९ जुआरियो को दबोच लिया था और लाखो रुपियो का माल भी बरामद किया था.

मिली जानकारी के मुताबिक़ पुलिस ने मुखबिर से मिली गुप्त सुचना के आधार पर सोमवार शाम को उधना भगवती नगर सोसाइटी में स्थित प्लाट नंबर ३ की तीसरी मंजिल पर चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारा था,जहा से पुलिस ने ९ जुआरियो को गिरफ्तार किया था इसके अलावा उनके पास से ६ मोबाइल,कैश सहित डेढ़ लाख का माल बरामद किया गया था.पुलिस ने जुआरियो क खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है.

अधेड़ ने ८ साल की बालिका से की छेड़खान,लोगो में रोष

चॉकलेट देने का लालच देकर कमरे में बुलाया था

सूरत.

महिधरपुरा क्षेत्र में ५५ साल के एक अधेड़ की घिनौनी करतूत से हड़कंप मच गया है. नराधम ने ८ साल की बालिका को चॉकलेट देने का लालच देकर अपने रूम लेकर गया और फिर उसके साथ छेडख़नी की.इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और लोगो में रोष फ़ैल गया है.

जानकारी के मुताबिक़ महिधरपुरा थाना क्षेत्र में बुरहानी पैलेस है जिसमे वॉचमेन के रूम में ५५ वर्षीय नराधम हासिम रहता था और केटरिंग का काम करता है. गत शाम ८ वर्षीया बालिका वहा खेल रही थी तब नराधम हासिम ने बालिका को चॉकलेट देने और मोबाईल मे कार्टून दिखाने के बहाने बहला फुसलाकर अपने रूम में लेकर गया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा था उसकी हरकत पर बालिका ने शोर मचाना शुरू कर दिया था तब अधेड़ वहा से भाग निकला था वही बालिका की आवाज सुनकर स्थानीय लोग तथा उसके परिजन वहा आकर इकठा हो गये जब सभी को इस घिनौनी घटना के बारे में पता चला तो क्षेत्र में काफी हंगामा मच गया.बालिका के परिजनो के तो होश उड़ गए थे.नराधम के खिलाफ महिधरपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है .पुलिस ने उसकी खोजबीन शुरू की है.

कपड़ा व्यापारी के घर को बनाया निशाना

सोने चांदी के गहने और नगद सहित २,७३ लाख की चोरी

सूरत.

पर्वत पटिया क्षेत्र में रहने वाले एक कपड़ा व्यापारी के घर को चोरो ने निशाना बनाया और अलमारी में रखे सोने चांदी के गहने तथा नगद रूपये सहित २,७३ लाख का माल चुराकर भाग निकले थे.चोरी की घटना से क्षेत्र में हंगामा मच गया था.

मिली जानकारी के मुताबिक़ मगोब स्थित रेशमा रो हाउस निवासी नरेंद्र कुमार लछेटा कपड़े के व्यापारी है. अलमारी में रखे सोने चांदी के गहने तथा नगद रूपये सहित २,७३ लाख का माल चुराकर भाग निकले थे.चोरी की घटना से क्षेत्र में हंगामा मच गया था. दो दिन पहले अज्ञात चोर उनके घर में घुस गए थे इसके बाद बैडरूम में रखी अलमारी में से सोने की अंगूठी, झूमखे तथा चांदी के गहने सहित २,७३ लाख का माल चुराकर भाग गये थे. चोरी की इस घटना में पूणागाम पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जाँच पड़ताल शुरू की है.

हिंदू समाज पार्टी का सदस्य बनने के लिए अशफाक ने चुराई थी अपने हिंदू सहकर्मी की आईडी

सूरत। हिंदू समाज पार्टी के अध्यक्ष कमलेश तिवारी की हत्या के मामले में गुजरात पुलिस ने एक अहम खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि इस निर्मम हत्या के जिम्मेदार दो फरार आरोपियों में से एक अशफाक शेख ने फार्मा कंपनी के कर्मचारी के रूप में काम करने के दौरान अपने एक हिंदू सहकर्मी की पहचान को चोरी कर लिया था। इसी पहचान का इस्तेमाल कर शेख हिंदू समाज पार्टी में एक प्रचारक के रूप में शामिल हो गया था। अपने सहयोगी के आधार कार्ड में तस्वीर को बदलकर शेख ने रोहित सोलंकी का रूप धारण कर लिया था। इसके बाद शेख ने सूरत में कमलेश तिवारी के एक सहयोगी के साथ दोस्ती की और सूरत शहर आईटी सेल वरछा वार्ड प्रचारक के रूप में हिंदू समाज पार्टी के अंदर तक अपनी पकड़ बना ली।अशफाक शेख नियमित रूप से हिंदू समाज पार्टी के गुजरात प्रमुख जैमिन दवे के साथ संपर्क में था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि खुद को हिंदुत्व का प्रतिबद्ध समर्थक बताकर शेख ने दवे का विश्वास जीत लिया। उधर, इस पूरे घटनाक्रम और अशफाक शेख के कमलेश तिवारी के मर्डर के प्लान से रोहित सोलंकी पूरी तरह से अनजान था। रोहित सोलंकी ने सोमवार को एक पुलिस शिकायत दर्ज कराई और धोखाधड़ी के मामले की जांच के लिए अनुरोध किया। रोहित सोलंकी ने बताया अशफाक शेख कंपनी में मेरा मैनेजर था।मैं कंपनी में एमआर था। हम लोग वर्ष 2017 से साथ-साथ काम कर रहे थे। सभी कर्मचारियों को जॉइनिंग के समय पर अपने दस्तावजों को जमा करना होता था। मैं समझता हूं कि उसी समय अशफाक शेख ने मेरा आधार कार्ड ले लिया होगा। रोहित और उनके अन्य सहयोगी पिछले सप्ताह से शेख से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि उसका फोन बंद है। रोहित ने कहा हम यह सुनकर स्तब्ध हैं कि उसने ऐसा काम किया है। पुलिस को संदेह है कि जिस आधार कार्ड का इस्तेमाल अशफाक और उसके सहयोगी ने लखनऊ में होटल में कमरा बुक करने के लिए किया वह भी फर्जी है। पुलिस को जानकारी मिली है कि इस हत्याकांड की जड़ें अहमदाबाद से जुड़ी हुई हैं।

अजगर को जिंदा जलाने वाले चार शख्स गिरफ्तार

बनासकांठा। डीसा पुलिस ने अजगर को जिंदा जलाने वाले चार शख्सों को बोडाल गांव से गिरफ्तार कर लिया। वन विभाग की ओर से दर्ज कराए गए मामले के आधार पुलिस ने घटना के बाद फरार चार शख्सों के खिलाफ कार्रवाई की जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले के डीसा तहसील के बोडाल गांव में चार शख्सों ने एक अजगर को जिंदा जला दिया था। इस घटना को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हरकत में आए वन विभाग ने चार शख्सों के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

ताशकंद में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. शास्त्री जी को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को अपने उज्बेकिस्तान दौरे के चौथे दिन की शुरुआत उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद के स्व. लाल बहादुर शास्त्री स्कूल के दौरे से की। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नाम से जुड़े इस स्कूल परिसर में शास्त्री जी प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने स्कूल में शास्त्री मेमोरियल का भी अवलोकन किया। मेमोरियल के दौरे के बाद आगंतुक पुस्तिका में अपने संदेश में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री को हृदयपूर्वक भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा कि, आने वाली सदियों तक स्व. शास्त्री जी के अप्रतिम जीवन कार्यों की अनुभूति हमें यह स्कूल-मेमोरियल कराते रहेंगे। आगंतुक पुस्तिका में हिंदी भाषा में लिखा मुख्यमंत्री ने संदेश लिखा, ''महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी को पूरे देशवासियों की ओर से नमन करता हूं। वे स्वभाव से विनम्र, कर्मठ, ईमानदार, स्वाभिमानी और सादगी पसंद व्यक्ति थे। बड़े पद पर रहने के बावजूद वे हमेशा जमीन से जुड़े रहे। स्व. शास्त्री जी ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में अतुलनीय योगदान दिया है। शास्त्री जी का 'जय जवान-जय किसान' का नारा आज भी युवा शक्ति के मन में जोश और उमंग की नई लहर पैदा करता है। स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी ने असामयिक हमारे बीच से विदाई ली, लेकिन देश के लिए उनके त्याग और समर्पण ने भारत के प्रत्येक घर में उन्हें जीवित रखा है।

इसी कारण से शास्त्री जी प्रत्येक भारतीय के दिल में बसे हुए हैं। उनके कार्य, विचार और आदर्शों से आज भी भारतीय पीढ़ी प्रेरणा लेती है।

दक्षणि गुजरात और सौराष्ट्र में बेमौसमी बारिश, किसानों में चिंता

अहमदाबाद। दक्षणि गुजरात और सौराष्ट्र में कई जगह बेमौसमी बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई जगह खेतों में फसलें खड़ी हैं तो कहीं कटाई चल रही है। मार्केटिंग यार्ड में मूंगफली के ढेर लग रहे हैं और ऐसे में बेमौसमी बारिश को लेकर किसान परेशान हैं। मंगलवार को पोरबंदर, राजूला, दिव और सूरत शहर में बारिश हुई। पोरबंदर के माधवपुर में हुई बेमौसमी बारिश के कारण बाजार की सड़कें पानी पानी हो गईं। अमरेली जिले के सावरकुंडला और अमरेली में मूशलाधार बारिश हुई है और अब बरसाती माहौल बना हुआ है। राजूला से सावरकुंडला के बीच आंबरडी व धारी के दलखाणिया गांव में भारी बारिश के कारण कृषि फसलों को व्यापक नुकसान की आशंका है। जूनागढ़ जिले के केशोद में बेमौसमी बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जूनागढ़ जिले में सुबह से बरसाती माहौल है और कई जगह बारिश हो रही है। जिससे मूंगफली की फसल को नुकसान की आशंका है। सूरत में मंगलवार की दोपहर बेमौसमी बारिश हुई। अरब सागर में बनी नई सिस्टम के कारण सौराष्ट्र-कच्छ समेत दक्षणि गुजरात में बारिश होने की संभावना है। पोरबंदर के तटीय इलाकों में चक्रवात के साथ बारिश हो सकती है। अगले दो-तीन दिन गर्मी से राहत रहेगी और 24 व 25 अक्टूबर को राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। सौराष्ट्र और दक्षणि गुजरात में इस सिस्टम का अधिक असर होगा। सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ, अमरेली, पोरबंदर, जामनगर, कच्छ, द्वारका इत्यादि में बारिश हो सकती है। दक्षणि गुजरात के नवसारी, डांग, तापी, वलसाड के अलावा मध्य गुजरात के दाहोद, महीसागर इत्यादि में बारिश होन की संभावना है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**